पाठ 10
छठ पर्व और बच्चे

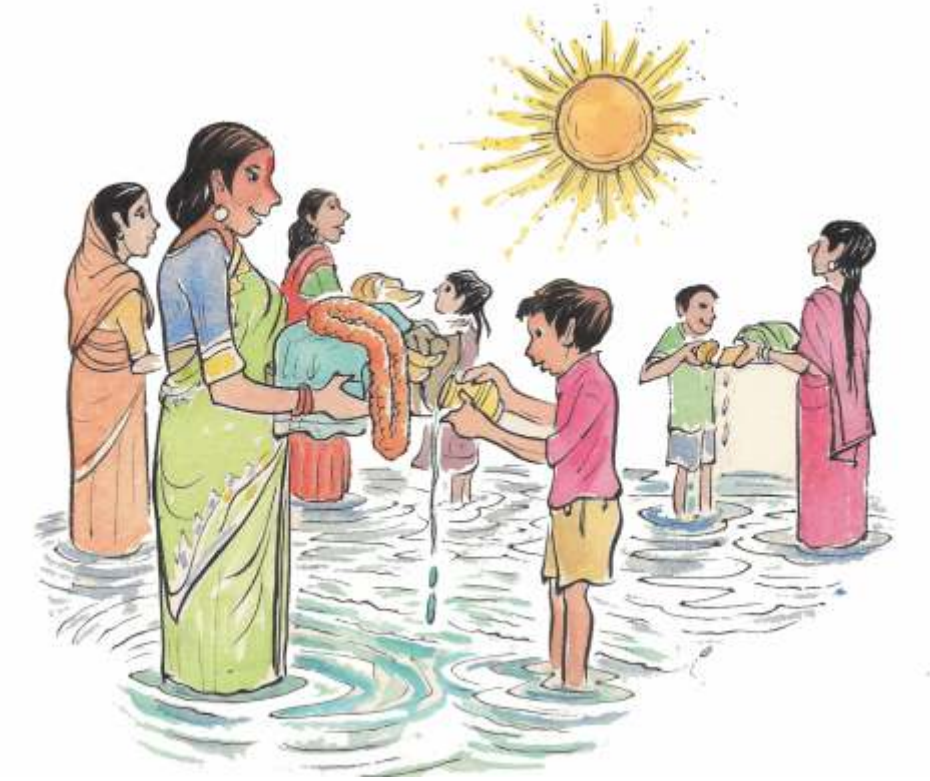

1. ऊपर बने चित्र में कौन सा पर्व मनाया जा रहा है?

_____

_____

2. छठ पर्व कब मनाया जाता है एवं इसमें किनकी पूजा की जाती है?

_____

_____

3. आपके घर में यह पर्व कैसे मनाते हैं?

_____

_____

_____

4. इस अवसर पर क्या बाहर में रहनेवाले परिवार के लोग भी आते हैं?

_____

_____

कक्षा के सभी बच्चे आपस में बातचीत कर रहे थे। शिवांगी बोली–'' माँ के आग्रह पर इस बार मेरी बुआ छठ करने हमारे यहाँ आई है। माँ इस बार छठ नहीं की। दादी बीमार है। माँ को दादी की देखभाल करनी पड़ती है।''

तभी रमेश ने कहा–''क्या तुम अपनी माँ की मदद नहीं करती हो? मैं तो अपने माँ की कही हर बात मानता हूँ और उनके काम में मदद भी करता हूँ।''

शिवांगी बोली–''मैं भी माँ से पूछकर दादी को दवाई और पानी देती हूँ। उनके निकट बैठती हूँ और बातचीत कर उनका मन बहलाती हूँ''।

5. आप अपने से बड़ों की मदद कैसे करते हैं?

_____

_____

_____

_____

यह बातचीत विकास बड़े आनंद से सुन रहा था। "पर्व–त्योहार और अन्य उत्सव हमें उत्साहित तो करते ही है; साथ–ही–साथ बहुत कुछ सिखाते भी हैं"–विकास बोला।

सुषमा कहाँ चुप रहने वाली थी–''अरे! मैंने तो अपनी माँ को ठेकुआ बनाने में मदद की और इससे मुझे ठेकुआ बनाना आ गया है''।

विकास बोला–''हाँ, हाँ। मैं भी पापा के साथ बाजार गया और वहाँ हम ने सामानों की खरीददारी की''।

6. आप अपने परिवार के सदस्यों से कुछ–न–कुछ जरूर सीखते होंगे। आपने कौन–कौन सा कार्य किनसे सीखा है? उसकी एक सूची बनाइए।

क्र.सं.	कार्य जो बड़ों के साथ करने हैं या जिनमें बड़ों की मदद करते हैं	किन से सीखा
1.		
2.		
3.		
4.		
5.		
6.		

शिवांगी और रमेश की यह बातचीत कार्तिक चुपचाप सुन रहा था। शिवांगी बोली–''कार्तिक! तुम्हारे घर छठ में कौन–कौन आए''?

कार्तिक बोला–''यही तो एक पर्व ऐसा है जिसमें मेरे परिवार के सभी सदस्य चाचा–चाची, बुआ–फूफा एवं उनके बच्चे आते हैं। इस बार भी वे सभी लोग आए थे और हम सबलोगों ने खूब मजा किया। उनके चले जाने के कारण ही तो मन नहीं लग रहा है। मैं सोच रहा हूँ कि अब ऐसा कौन–सा उत्सव आएगा, जब हम सभी फिर से इकट्ठे होंगे''।

7. आपके यहाँ भी ऐसे अवसर आते होंगे, जब परिवार के सभी सदस्य एकत्रित होते होंगे। वैसे अवसरों का नाम लिखिए और इस तालिका को पूरा कीजिए।

पर्व–त्योहार	अन्य उत्सव
दुर्गा पूजा	विवाह

कार्तिक यह जानने के लिए बेचैन हो रहा था–''आखिर परिवार के सदस्य बाहर जाते ही क्यों हैं''?

रमेश बोला–'' रुपया–पैसा कमाने के लिए और किसलिए? रुपये ही से घर बनता है, कमीज–पैंट आती है, इलाज होता है, भोजन मिलता है''।

शिवांगी जोर से हँसी और बोली–''भला, रुपया भी कोई खाता है''।

8. आपके परिवार में भी रुपये की आवश्यकता पड़ती होगी? यह रुपये आपके परिवार के लोग किस प्रकार कमाते हैं। पाँच से दस वाक्यों में लिखिए।

_____

_____

_____

_____

9. आपके परिवार में विभिन्न प्रकार के कार्य होते होंगे। कुछ कार्यों से आमदनी होती होगी और कुछ कार्यों से आमदनी नहीं होती होगी। आप अपने, अपने दोस्त और आस–पड़ोस के परिवार से बात कीजिए। पता लगाइए की किस कार्य से आमदनी होती है तथा किस कार्य से नहीं ? विभिन्न परिवारों में उसकार्य को करने का निर्णय कौन लेते हैं?

कार्य की सूची	**आमदनी**	**निर्णय करनेवाले**		
	हाँ / नहीं	**अपना परिवार**	**दोस्त का परिवार**	**पड़ोस का परिवार**
खेती / फसल लगाना	हाँ	दादाजी	पिताजी	भैयाजी
खाना बनाना	नहीं	माँ	माँ	दीदी
धान बेचना				
बच्चों को स्कूल भेजना				
मेला देखने जाना				
पशु खरीदना				
कपड़े खरीदना				
दाल–सब्जी खरीदना				

इस कार्य को करने में रशीद को बड़ा मजा आया। रशीद ने अपने दोस्तों को बताया कि मेरे पड़ोस के एक परिवार में सभी निर्णय एक व्यक्ति, जो घर के मुखिया हैं, वहीं लेते हैं। गाँव में खाद–बीज कीटनाशक की दुकान नहीं है। उस परिवार का एक सदस्य वशु अलग से आमदनी के लिए बैंक से कर्ज लेकर दुकान खोलना चाहते थे। सभी लोगों के मान जाने के बावजूद घर के मुखिया ने किसी की एक न सुनी। उन्होंने दुकान खोलने से मना कर दिया।

10. **बताइए :**

(i) आप वशु की जगह होते तो क्या करते?

_____

_____

(ii) क्या आपके साथ कभी ऐसा हुआ है कि आप कुछ करना चाहते हैं, पर घर के बड़ों ने मना कर दिया हो?

____

____

(iii) आपके घर में जरूरी फैसले कौन लेता है? इस बारे में आप क्या सोचते हैं?

____

____

(iv) अगर आपके परिवार या रिश्तेदारी में हमेशा एक ही व्यक्ति अपनी बात मनवाता रहे, तो आपको कैसा लगेगा?

____

____

शिवांगी ने कहा –''मेरी दीदी पढ़ने के लिए भुवनेश्वर जाना चाहती थी। पिताजी ने कहा ऐसा नहीं हो सकता। वहाँ उसे हॉस्टल में रहना होगा। उसे वहाँ कोई देखनेवाला नहीं रहेगा। पिताजी ने दीदी से कहा पढना है तो यहीं पढ़ो या पढ़ना बन्द करा। दीदी रुआंसी हो गयी। माँ ने समझाते हुए कहा लड़कियाँ अंतरिक्ष की सैर कर रही हैं और आप इसे भुवनेश्वर नहीं जाने देना चाहते हैं''। चाचा ने भी कहा लड़कियाँ पढ़ेगी तभी तो आगे बढ़ेंगी। पिता जी को भी लगा ये लोग ठीक ही कह रहे हैं। अंत में सब लोगों ने तय किया कि दीदी भुवनेश्वर पढ़ने जाएगी''।